>

Title : Need to take up the issue of construction of dam by China on river Tsangpo in Tibet in the international fora.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): चीन द्वारा लगातार इस बात से इनकार किये जाने कि ब्रम्हपुत्र नदी पर उसके द्वारा कोई बांध नहीं बनाया जा रहा है, लेकिन अन्ततोगत्वा चीन ने स्वीकार कर लिया है कि तिब्बत के पास सांगपो नदी पर पन बिजली उत्पादन के मकसद से यह बांध बनाया जा रहा है, जिससे लगभग 500 मेगावाट का बिजली का उत्पादन होगा। पहले चीन बांध के निर्माण को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था। अब आश्वासन दे रहा है ब्रम्हपुत्र नदी पर बांध बनने से भारत की तरफ जल प्रवाह प्रभावित नहीं होगा। जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है। बांध बनने से पानी रोकने का इंतजाम अपने आप हो जायेगा। उससे भारत के क्षेत्र में सिंचाई प्रभावित होगी। पहले चीन भारत की आपत्ति को खारिज करता रहा है लेकिन अब उसके स्वीकारोक्ति के बाद भारत सरकार को पानी प्रवाह के प्रभावित होने से रोकने हेतु उचित मंच पर आपत्ति दर्ज करनी चाहिए, जिससे भारत के हितों पर प्रतिकूल असर न पड़े।